किसी भी पद पर रहें, मित्रता भाव हमेशा बनाए रखना : डॉ. यादव

विद्यार्थी इच्छाशक्ति मजबूत रखें, लक्ष्य की प्राप्ति अवश्य होगी, मुख्यमंत्री ने कोटा में विद्यार्थियों के साथ साझा किए अपने अनुभव

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विद्यार्थियों को अपना जुनून हमेशा कायम रखना चाहिए। इच्छाशक्ति जितनी दृढ़ होगी, लक्ष्य उतना ही आसान होगा। उन्होंने कहा कि जीवन में किसी भी पद पर पहुंचे, मित्रता का प्रेमभाव हमेशा बनाए रखना।

इसका सबसे अच्छा उदाहरण श्रीकृष्ण और सुदामा की दोस्ती का है। उनकी दोस्ती 11 वर्ष की उम्र में हुई थी और जब वे द्वारका के राजा बने तब भी उनकी दोस्ती ने दुनिया के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राजस्थान के कोटा जिले में एलन शिक्षण संस्थान के समउन्नत भवन में विद्यार्थियों से चर्चा कर रहे थे। प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विद्यार्थियों ने गजहार पहनाकर स्वागत किया गया।

डॉ. यादव ने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति का इससे अच्छा उदाहरण दूसरा नहीं हो सकता कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात में पहली बार विधायक बनने के साथ ही मुख्यमंत्री बने और लगातार तीन बार मुख्यमंत्री रहे। मुख्यमंत्री के बाद वे पहली बार सांसद बनें और पहली बार में ही देश के प्रधानमंत्री बनें। इसके बाद लगातार

सांसद बने और प्रधानमंत्री भी। उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में हैट्रिक भी बनाई। आर्थिक दृष्टि से गुजरात देश के अन्य राज्यों की तुलना में अग्रणी है।

समाज सेवा के लिए छोड़ी डॉक्टरी

डॉ. यादव ने कहा कि मैंने अपने शैक्षणिक काल से ही अपना लक्ष्य समाज सेवा के रूप में निर्धारित किया था। वर्ष 1982 में मेरा चयन मेडिकल कॉलेज के लिए हो गया था, परंतु समाज सेवा के अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मैंने मेडिकल में प्रवेश न लेते हुए, बीएससी की उपाधि प्राप्त की। मैं यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट रहते हुए राजनीति में सक्रिय रह सका। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के तीन मूल मंत्र हैं, जिन्हें विद्यार्थियों को आत्मसात करना चाहिए। पर्याप्त नींद लें, नियमित रूप से व्यायाम करें और प्राणायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने बताया कि अपने लक्ष्य पर शुरू से ही ध्यान केन्द्रित रखना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण 11 वर्ष की आयु में मथुरा से राजस्थान होते हुए मध्यप्रदेश के उज्जैन पधारे थे। भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी यात्रा के दौरान प्रदेश में जहां-जहां विश्राम किया या ठहरे उन स्थानों को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा धार्मिक महत्व के तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने शिक्षा काल में जिन ग्रंथों का अध्ययन किया, उन ग्रंथों का सार गीता में समाया है। डॉ. यादव ने कहा कि विद्यार्थी निराशा को अपने आप पर हावी न होने दें। जब निराश हो जाए तो राजनेताओं की तरफ देखें, वे बार-बार चुनाव लड़ते हैं और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। कई बार विद्यार्थी लक्ष्य प्राप्ति की दौड़ में पीछे रह जाते हैं तो उन्हें निराश नहीं होना चाहिए, जबकि दोगनी ऊर्जा के साथ फिर प्रयास करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एलन शिक्षण संस्थान मध्यप्रदेश के उज्जैन में अपने संस्थान प्रारंभ करें, जिससे मध्यप्रदेश के छात्रों को भी स्थानीय स्तर पर लाभ प्राप्त हो सकेगा।

बहादुर बहनों का साहस और संघर्ष प्रेरणास्पद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले के खकराचौरई गांव में भेड़िए का साहस से सामना करने वाली श्रीमती भुजलो बाई से वीडियो कॉल कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। मुख्यमंत्री ने भुजलो बाई के साहस की सराहना करते हुए उन्हें मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से एक लाख रूपए भी स्वीकृत किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहादुर बहनों का साहस और संघर्ष प्रेरणास्पद है। श्रीमती भुजलो बाई के उचित इलाज के लिए कलेक्टर छिंदवाड़ा को निर्देशित किया गया है कि आवश्यक होने पर एयरलिफ्ट कर भोपाल में उपचार कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीड़िता के परिजन से भी हाल-चाल जाने, साथ ही इलाज का पूरा खर्चा उठाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि वे शीघ्र पूर्णतः स्वस्थ हों, ईश्वर से यही प्रार्थना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल से कोटा रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री निवास से श्रीमती भुजलो बाई से वीडियो कॉल कर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने भेड़िए से संघर्ष करने वाली साहसी श्रीमती भुजलो बाई को स्वीकृत किए एक लाख रूपए

उल्लेखनीय है की फसल की रखवाली के दौरान शुक्रवार की सुबह छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा रेंज के अंतर्गत खकरा चौरई गांव के पास खेत में 65 वर्षीय भुजलो बाई और 55 वर्षीय दुर्गाबाई सो रही थीं, तभी श्रीमती भुजलो बाई पर भेड़िए ने हमला किया और उनके एक हाथ का अंगूठा चबा लिया। चिल्लाने की आवाज आई तो दुर्गाबाई, भुजलो को बचाने पहुंची। भेड़िए ने भुजलो बाई के हाथ और सिर पर चोट पहुंचाई। आधे घंटे तक महिलाओं और भेड़िए के बीच संघर्ष चलता रहा। इसके बाद साहसी भुजलो ने पास रखे फावड़े से वार कर भेड़िए का अंत कर दिया। भेड़िए के हमले से घायल दोनों महिलाओं को जिला अस्पताल छिंदवाड़ा में भर्ती कराया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया गया कि श्रीमती दुर्गाबाई का उपचार पूर्ण होने पर उन्हें जिला अस्पताल छिंदवाड़ा से डिस्चार्ज किया जा चुका है।

अवैध खनिज परिवहन पर नियंत्रण के लिए 41 ई-चेकगेट की होगी स्थापना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में अवैध परिवहन रोकने के लिये एआई आधारित 41 ई-चेकगेट की स्थापना की जा रही है। इन ई-चेकगेटों पर वेरीफोकल कैमरा, आरएफआईडी लीडर, ऑटोमेटिक नम्बर प्लेट रीडर की सहायता से खनिज परिवहन में संलग्न वाहनों की जाँच की जायेगी।

परियोजना में पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में खनिज परिवहन के लिये महत्वपूर्ण मार्ग के 4 स्थानों पर ई-चेकगेट स्थापित कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अवैध परिवहन की निगरानी के लिये राज्य स्तर पर भोपाल में कमॉण्ड एवं कंट्रोल सेंटर और जिला भोपाल एवं रायसेन में जिला कमॉण्ड सेंटर स्थापित किये गये हैं। माह दिसम्बर 2024 तक सभी 41 ई-चेकगेट की स्थापना किये जाने का लक्ष्य है। डॉ. यादव ने प्रदेश में अवैध खनन की रोकथाम के लिये उपग्रह और ड्रोन आधारित परियोजना भी प्रारंभ की गयी है। इसके द्वारा प्रदेश की सभी 7 हजार खदानों की जियो टैग कर खदान क्षेत्र का सीमांकन किया गया है। यह परियोजना पूर्ण रूप से लागू होने पर अवैध खनन को चिन्हित कर प्रभावी रोकथाम की जा सकेगी। परियोजना के लागू होने पर स्वीकृत खदान के अंदर थ्री-डी इमेजिंग एवं वॉल्यूमेट्रिक एनालिसिस कर उत्खनित खनिज की मात्रा का सटीक आंकलन किया जा सकेगा।

मार्चिंग इन द डार्क
लैंगिक संवेदनशीलता पुरस्कार से सम्मानित

भोपाल। शहर के युवा फ़िल्मकार किन्शुक सुरजन की फ़िल्म मार्चिंग इन द डार्क को हाल ही में संपन्न धर्मशाला इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल में लैंगिक संवेदनशीलता पुरस्कार से नवाज़ा गया है।

यह पुरस्कार उन्हें फ़िल्म क्रिटिक्स गिल्ड की ओर से फ़ेस्टिवल की संस्थापक ऋतु सरीन ने प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि फ़िल्म क्रिटिक्स गिल्ड, भारत में फ़िल्म समीक्षकों का अकेला संगठन है, जिसकी अध्यक्ष जानी-मानी फ़िल्म समीक्षक अनुपमा चोपड़ा हैं। धर्मशाला फ़िल्मोत्सव में गिल्ड का यह एकमात्र पुरस्कार था, जो किसी फ़िल्मकार को दिया गया है। मार्चिंग इन द डार्क कनाडा के हॉट डॉक्स फ़िल्म फ़ेस्टिवल तथा चीन के सिल्क रोड इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल, ब्राज़ील के मोस्ट्रा साओ पाउलो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल तथा मुंबई के मामी इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल सहित अब तक विश्व के 15 अलग-अलग फ़िल्मोत्सवों में प्रदर्शित की जा चुकी है और इसे कोपेनहेगन के सीपीएच डॉक्स फ़ेस्टिवल तथा ज्यूरिख फ़िल्म फेस्टिवल में स्पेशल मेंशन, लिथुवानिया के इनकन्विनिएंट फ़िल्म्स में सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म, इटली के बायोग्रा फ़ेस्टिवल में यंग क्रिटिक्स अवार्ड एवं ऑडियंस अवार्ड, तेल अवीव के डॉक अवीव फ़ेस्टिवल में बेस्ट इंटरनेशनल फ़िल्म अवार्ड हासिल हो चुके हैं। इसके अलावा इस फ़िल्म का चयन स्विट्ज़रलैंड के लुसर्न में यूरोपियन फ़िल्म अकादमी द्वारा बेस्ट डाक्यूमेंट्री श्रेणी में किया जा चुका है। मार्चिंग इन द डार्क का अगला प्रदर्शन दिसंबर में रोम इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री फिल्म फेस्टिवल में होगा। क्लिनदोई फिल्म्स, ब्रसेल्स द्वारा निर्मित यह फ़िल्म मराठवाड़ा की उन महिलाओं पर केन्द्रित है, जिनके किसान पति क़र्ज़ न चुका पाने के कारण आत्महत्या कर चुके हैं। परिवार और समाज में तिरस्कृत होती ये महिलाएं एक मनोवैज्ञानिक के जरिये एक-दूसरे से मिलती हैं और अपनी पीड़ा साझा करती हैं। इसके साथ ही वे एक-दूसरे को हौसला देती हैं और अपने पैरों पर खड़े होने का जतन भी करती हैं।

संतुलित औद्योगिक विकास पर केन्द्रित होगी नर्मदापुरम् में आरआईसी

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के संतुलित विकास के लिये निरंतर सभी अंचलों में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहे हैं। अगली आरआईसी आगामी 7 दिसम्बर को नर्मदापुरम में हो रही है।

नर्मदापुरम् क्षेत्र में मुख्य रूप से कृषि आधारित उद्योग, खाद्य प्र-संस्करण इकाइयां और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग बहुतायत में हैं। नर्मदापुरम्, हरदा, और होशंगाबाद में पहले से स्थापित उद्योगों के साथ-साथ कृषि प्र-संस्करण, सोयाबीन तेल, मसाला उत्पादन और दुग्ध प्र-संस्करण जैसे उद्योग यहाँ की आर्थिक गतिविधियों का मुख्य आधार हैं। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र की खनिज संपदा का उपयोग कर निर्माण और अन्य उद्योगों से भी स्थानीय विकास को गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं। छठवीं आरआईसी का आयोजन 7 दिसंबर को नर्मदापुरम् के डिवीजनल आईटीआई में किया जाएगा। पिछली पांच रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के अनुभवों से प्रेरित होकर, इस कॉन्क्लेव का नर्मदापुरम् क्षेत्र में आयोजन उद्योगों की वृद्धि, निवेश की संभावनाओं और रोजगार सृजन के अवसरों को बढ़ाने के लिये किया जा रहा है।

नर्मदापुरम आरआईसी में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, खनिज, एमएसएमई और पर्यटन क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से प्रदेश में एक उद्योग-हितैषी वातावरण बना है, जिससे प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में प्रगति हो रही है। नर्मदापुरम् और इसके आसपास के क्षेत्र जैसे होशंगाबाद, हरदा में एमएसएमई, कृषि आधारित उद्योग, और पर्यटन के क्षेत्र में कई संभावनाएं हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेंगे। कॉन्क्लेव का उद्देश्य सभी क्षेत्रों का संतुलित और समन्वित आर्थिक विकास करना है। इस कॉन्क्लेव से नर्मदापुरम् और इसके आस-पास के क्षेत्रों में निवेश के नए रास्ते खुलेंगे जिससे रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। यह आरआईसी नर्मदापुरम् और आसपास के क्षेत्रों के लिए खास महत्व रखता है, क्योंकि यहाँ की प्राकृतिक खूबसूरती और सांस्कृतिक धरोहर को उद्योगों के साथ जोड़ा जाएगा।

गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए, गत वर्ष से 150 रुपए अधिक

भोपाल (काप्र)।

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के लिये गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2425 रूपये घोषित किया गया है। यह गत वर्ष से 150 रूपये अधिक है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने किसान भाईयों से आग्रह किया है कि अधिकाधिक क्षेत्र में गेहूं की बुवाई करें और बढ़ी हुई एमएसपी से अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त करें। रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिये अब किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिये विभाग द्वारा तैयारी प्रारम्भ कर दी गई है। इसके अंतर्गत गेहूं उपार्जन के लिए बारदाना, भंडारण, परिवहन की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही भारत सरकार द्वारा निर्धारित एफएक्यू मापदण्ड के गेहूं उपार्जन के लिए केन्द्रों पर मैकेनाइज्ड क्लीनिंग व्यवस्था की जाएगी। गेहूं की गुणवत्ता के परीक्षण के लिये सर्वेयर को सघन प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में विगत वर्ष 6 लाख 16 हजार किसानों द्वारा 48 लाख 38 हजार मीट्रिक टन गेहूं का विक्रय समर्थन मूल्य पर किया गया।

गेहूं उपार्जन के लिये किसानों की सुविधानुसार कुल 3694 उपार्जन केन्द्र स्थापित किए गए। उपार्जित गेहूं के परिवहन, हैण्डलिंग एवं किसानों के शीघ्र भुगतान के लिये 2199 उपार्जन केन्द्र गोदाम स्तर पर स्थापित किए गए। शेष 1495 उपार्जन केन्द्र समिति स्तर पर स्थापित किए गए। किसानों के आधार लिंक बैंक खाते में समर्थन मूल्य राशि के सीधे भुगतान की व्यवस्था की गई थी।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने बुधवार को राजस्थान प्रवास के दौरान कोटा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निवास जाकर सौजन्य भेंट की।

गंभीरता से कराएं निर्वाचन प्रक्रिया

भोपाल। निर्वाचन प्रक्रिया बहुत संवेदनशील होती है, इसे पूरी गंभीरता से करायें। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने यह बात आयोग में नव-नियुक्त नायब तहसीलदारों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही। श्री सिंह ने शासकीय सेवा के अनुभवों को भी साझा किया। उप सचिव राज्य निर्वाचन आयोग प्रदीप शुक्ला ने नगरीय निकायों की निर्वाचन प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया का हर कदम बहुत महत्वपूर्ण होती है। इसमें थोड़ी सी लापरवाही के भी गंभीर परिणाम होते हैं। उन्होंने मतदाता सूची तैयार करने से लेकर परिणाम घोषित होने तक की जानकारी दी। उप सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्रीमती संजू कुमारी ने पंचायत निर्वाचन और आयोग द्वारा किये गये आईटी नवाचार के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा पंचायत उप निर्वाचन में पेपरलेस बूथ का सफल प्रयोग किया जा चुका है।

स्पेशल खबर *मुख्यमंत्री की मंशानुरूप 2047 का विज़न डॉक्यूमेंट करें तैयार, हनुवंतिया को फुल-टाइम पर्यटन स्थल बनाएं...*

पर्यटकों की संतुष्टि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: लोधी

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप 2047 का विज़न डॉक्यूमेंट तैयार करें। विज़न डॉक्यूमेंट में पर्यटन गतिविधियों की विस्तार और निर्माण की योजना बनाएं, जिससे प्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ साथ सभी पर्यटकों को उच्च श्रेणी का पर्यटन अनुभव भी मिले।

यह निर्देश पर्यटन राज्यमंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने पर्यटन राज्य विकास निगम में समीक्षा बैठक के दौरान दिए। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा कि पर्यटकों की संतुष्टि हमारी सर्वोच्च प्राथमिका है। पर्यटकों के द्वारा दिए जा रहे रिव्यू का विशेष ध्यान दे।

होटल में सुझाव के लिए बॉक्स रखें। अतिथियों की रिव्यू की मॉनिटरिंग के लिए स्टेट लेवल डैशबोर्ड बनाएं। पॉजिटिव रिव्यू को वेबसाइट पर प्रदर्शित करें । नेगेटिव रिव्यू को गंभीरता के लेकर होटल की सुविधाओं में सुधार करें। श्री लोधी ने निर्देश दिए कि होटल में स्थानीय व्यंजनों को परोसा जाए। क्षेत्रीय और स्थानीय व्यंजनों को मेनू में प्रमुखता से शामिल करे और प्रचारित करें। नर्मदापुरम में होने वाली रीजनल इन्वेस्टर समिट में अतिथियों को स्थानीय और मिलेट व्यंजन परोसे। प्रदेश में पर्यटकों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए होटलों की संख्या और कमरों में वृद्धि करें। पुराने होटलों का मूल्यांकन कर उन्हें रेनोवेट करने की योजना बनाए। कम ऑक्युपेंसी वाले होटलों और संपत्तियों के उचित निराकरण की योजना बनाए। सैर-सपाटा के आवंटन की प्रक्रिया को एक माह में पूर्ण करें।

श्री लोधी ने कहा कि हनुवंतिया प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है। यहां अधिक संख्या में होटल और रिजॉर्ट निर्माण की योजना बनाएं। इसके साथ अधिक से अधिक पर्यटन गतिविधियों का संचालन करें ताकि वर्षभर पर्यटक हनुवंतिया आ सकें। धार्मिक लोक के निर्माण और पर्यटन सुविधाओं के विकास कार्यों को प्रमुखता से समय सीमा में पूरा करे। श्री लोधी ने निर्देश दिए कि पर्यटन निगम के अधिकारी और कर्मचारियों की मृत्यु होने पर दी जाने वाली अनुग्रह सहायता राशि 50 हजार से दुगनी कर एक लाख रुपए की जाएं। राज्य मंत्री श्री लोधी को प्रेजेंटेशन के माध्यम से पर्यटन निगम की संपत्तियों, गतिविधियों, उपलब्धियों, नवाचारों के साथ अधिकारियों और कर्मचारियों की स्थिति से अवगत कराया गया। इस अवसर पर प्रबंध संचालक राज्य पर्यटन विकास निगम इलैया राजा टी. सहित पर्यटन निगम के अधिकारी उपस्थित रहें।